प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 4 (2019–20)

हिन्दी – अ (कोड–002)

कक्षा– 10

निर्धारित समय– 3 घंटे **अधिकतम अंक – 80**

सामान्य निर्देशः–

1. इस प्रश्न–पत्र में चार खंड हैं– क, ख, ग और घ।
2. सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15–20 शब्दों में लिखिए।
5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30–40 शब्दों में लिखिए।
6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60–70 शब्दों में लिखिए।

खण्ड–क (अपठित अंश) 10

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िये और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– 10

निस्संदेह यह फैशन विद्यार्थियों के लिए महँगा सौदा है। वे घरवालों के लिए समस्या बन जाते हैं। अध्यापक उन्हें सिरदर्द समझते हैं। समाज जो उन्हें भावी भारत समझता है उसकी आशाएँ निराधार हो जाती हैं, क्योंकि बचपन की चंचलता के कारण सस्ती भावना में भटककर वे अपने बहुमूल्य उद्देश्य **विद्या** को भूल जाते हैं। हमारी वेशभूषा का अच्छा या बुरा प्रभाव दूसरों की अपेक्षा हम पर अधिक पड़ता है। उसका प्रभाव हमारी भौतिक उन्नति पर ही नहीं, चरित्र पर भी पड़ता है। अंग्रेजी के प्रसिद्ध विचारक और लेखक एमर्सन का कहना है कि सौम्य वेश से जो आत्मशांति मिलती है, वह धर्म से भी नहीं मिलती। सौम्यवेशधारी छात्र अपने मार्ग से भटकता नहीं है। उसका ध्यान केवल और केवल लक्ष्य पर केंद्रित रहता है। और ऐसे ही लोगों की आज जरूरत है, ताकि हमारा देश उन्नति की ओर निरंतर अग्रसर रहे।

1. **बुरा प्रभाव** में बुरा किस प्रकार का विशेषण है? 2

   उत्तर : गुणवाचक विशेषण।

2. विद्यार्थी कैसी भावना में भटककर अपने कौन–से बहुमूल्य उद्देश्य को भूल जाते हैं? 2

   उत्तर : विद्यार्थी सस्ती भावना में भटककर अपने बहुमूल्य उद्देश्य विद्या प्राप्ति को भूल जाते हैं।

3. वेशभूषा का प्रभाव कहाँ–कहाँ पड़ता है? 2

   उत्तर : वेशभूषा का प्रभाव हमारी भौतिक उन्नति के साथ–साथ चरित्र पर भी पड़ता है।

4. फैशन में भटके हुए विद्यार्थी किसके लिए समस्या और सिरदर्द बन जाते हैं? 2

   उत्तर : फैशन में भटके हुए विद्यार्थी घर वालों के लिए समस्या और अध्यापक के लिए सिरदर्द बन जाते हैं।

5. आत्मशांति कैसे मिलती है? 1

   उत्तर : आत्मशांति सौम्य वेश से मिलती है।

6. उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए। 1

   उत्तर : फैशन का प्रभाव।

खण्ड–ख (व्यावहारिक व्याकरण) 16

2. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए। $1 \times 4 = 4$

1. रचना के आधार पर वाक्य के कितने भेद होते हैं? नाम लिखिए।

   उत्तर : रचना के आधार पर वाक्य के तीन भेद होते हैं– सरल वाक्य, मिश्र वाक्य एवं संयुक्त वाक्य।

2. जो लोग ईर्ष्या करते हैं, मुझे पसंद नहीं। (सरल वाक्य में बदलिए)

   उत्तर : ईर्ष्या करने वाले लोग मुझे पसंद नहीं।

3. हेमा का नृत्य देखकर सब लोग प्रसन्न हो गए। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

   उत्तर : हेमा का नृत्य देखा और सब लोग प्रसन्न हो गए।

4. प्रेमचंद को उपन्यास सम्राट कहा जाता है। (रचना के आधार पर वाक्य भेद लिखिए)

   उत्तर : सरल वाक्य।

3. निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए। $1 \times 4 = 4$

1. कुत्ता भौंकता है। (भाववाच्य में बदलिए)

   उत्तर : कुत्ते द्वारा भौंका जाता है।

2. पिताजी से अखबार पढ़ा जाता है। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

   उत्तर : पिताजी अखबार पढ़ते हैं।

3. निशा ने कहानी की पुस्तक खरीदी। (कर्मवाच्य में बदलिए)

उत्तर : निशा द्वारा कहानी की पुस्तक खरीदी जाती है।

4. यश जल्दी नहीं सोता। (भाववाच्य में बदलिए)

उत्तर : यश से जल्दी सोया नहीं जाता।

4. निम्नलिखित वाक्यों के रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए। $1 \times 4 = 4$

1. मैंने उसे आज चंदा दिया।

उत्तर : पुरूषवाचक सर्वनाम, उत्तम पुरूष, पुल्लिंग-स्त्रीलिंग दोनों में प्रयुक्त, कर्ता कारक।

2. रचना सुंदर तस्वीर बनाती है।

उत्तर : गुणवाचक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, **तस्वीर** विशेष्य।

3. रात में देर रात बारिश होती रही।

उत्तर : कालवाचक क्रियाविशेषण, **होती रही** क्रिया की विशेषता बता रहा है।

4. ताजमहल आगरा में स्थित है।

उत्तर : व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- $1 \times 4 = 4$

1. शांत रस की परिभाषा दीजिए।

उत्तर : जहाँ मन में वैराग्य की भावना अथवा संसार से विरक्ति (निर्वेद) होने पर शांत रस की व्यंजना होती है, वहाँ शांत रस उत्पन्न होता है।

2. निम्नलिखित काव्य पंक्ति में प्रयुक्त रस का नाम लिखिए।

यशोदा हरि पालने झुलावै,

हलरावै दुलरावै, जोई सोई कछु गावै।

उत्तर : वात्सल्य रस।

3. 'प्रभु जी, तुम चंदन हम पानी', इस पंक्ति में प्रयुक्त रस का नाम लिखिए।

उत्तर : भक्ति रस।

4. निम्नलिखित काव्य पंक्ति में रस का नाम लिखिए।

जल की मछली तरूवर व्यापी

पकड़ि बिलाई मुरगै खाई।

उत्तर : अद्भुत रस।

5. वीर रस का स्थायी भाव लिखिए।

उत्तर : उत्साह।

खण्ड-ग 34

(पाठ्य-पुस्तक एवं पूरक पाठ्य-पुस्तक)

6. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए- 6

गर्मियों में उनकी **संझा** कितनी उमस भरी शाम को न शीतल करती! अपने घर के आँगन में आसन जमा बैठते। गाँव के उनके कुछ प्रेमी भी जुट जाते। खँजड़ियों और करतालों की भरमार हो जाती। एक पद बालगोबिन भगत कह जाते, उनकी प्रेम मंडली उसे दुहराती, तिहराती। धीरे-धीरे स्वर ऊँचा होने लगता एक निश्चित ताल, एक निश्चित गति से। उस तार स्वर के चढ़ाव के साथ श्रोताओं के मन भी ऊपर उठने लगते। धीरे-धीरे मन तन पर हावी हो जाता। होते-होते एक क्षण ऐसा आता कि बीच में खँजड़ी लिए बालगोबिन भगत नाच रहे हैं और उनके साथ ही सबके तन और मन नृत्यशील हो उठे हैं। सारा आँगन नृत्य और संगीत से ओतप्रोत है!

1. गर्मियों में बालगोबिन भगत क्या करते थे? 2

उत्तर : गर्मियों में बालगोबिन भगत अपने घर के आँगन में आसन जमाकर बैठते थे और संझा गाते थे।

2. **संझा** से क्या आशय है? इसे लोग कैसे गाते थे? 2

उत्तर : **संझा** से आशय संध्या बेला में गाए जाने वाले गीत, भजन आदि से है। इसे गाने के लिए गाँव के कुछ प्रेमी बाल-गोबिन भगत के घर आ जाते। इसके बाद बालगोबिन भगत एक पद कहते थे और प्रेम-मंडली खँजड़ियों और करतालों को बजाते हुए उसे दुहराया, तिहराया करती।

3. **संझा** गायन के क्रम में एक क्षण कैसा आता था? 2

उत्तर : **संझा** गायन के क्रम में एक क्षण ऐसा आता था कि बीच में खँजड़ी लिए बालगोबिन भगत नाचने लगते थे। उन्हें देख-कर सबका तन और मन नृत्य से सराबोर हो जाता था। सारा आँगन नृत्य और संगीत से ओतप्रोत हो जाता था।

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए- $2 \times 4 = 8$

1. लेखक ने फादर के किस स्वभाव के बारे में बताया है? उनके सांत्वना भरे शब्द कैसे लगते थे?

उत्तर : घर-परिवार के बारे में और निजी दुख तकलीफ के बारे में पूछना फादर का स्वभाव था। भारी दुख उपस्थित होने पर भी उनके मुख से सांत्वना भरे शब्द जादू का सा असर दिखाते थे। उनके शब्द किसी गहरी तपस्या से उपजे लगते थे और व्यक्ति को किसी पवित्र रोशनी से भर देते थे।

2. शहनाई की दुनिया में डुमराँव गाँव को क्यों याद किया जाता है?

उत्तर : शहनाई की दुनिया में डुमराँव गाँव को याद किया जाता है क्योंकि शहनाई बजाने के लिए जिस रीड का प्रयोग होता है, वह डुमराँव गाँव में सोन नदी के किनारों पर पाई जाती है। प्रसिद्ध शहनाई वादक बिस्मिल्लाह खाँ का जन्म भी यहीं हुआ था।

3. लेखक ने लखनऊ स्टेशन पर खीरा बेचने वालों की किस विशेषता को प्रकट किया है?

उत्तर : लेखक ने लखनऊ स्टेशन पर खीरा बेचने वालों के विषय में बताया कि स्टेशन पर खीरा बेचने वाले खीरे के इस-तेमाल का तरीका जानते हैं। अतः खीरे के साथ-साथ जीरा मिला नमक और लाल मिर्च की पुड़िया भी दे देते हैं।

4. आपके विचार से बुल्के ने भारत आने का मन क्यों बनाया होगा?

उत्तर : फादर बुल्के के मन में भारत के प्रति असीम श्रद्धा थी। वे भारतीय संस्कृति, यहाँ की रीतियों और भाषा से परिचित होना चाहते थे। हिंदी साहित्य व अन्य भाषाओं के साहित्य को पढ़ने और समझने की अपनी इच्छा की पूर्ति करने तथा विश्व के सबसे पुराने हिंदु धर्म के मर्म (रहस्य) को जानने के लिए उन्होंने भारत आने का मन बनाया होगा।

5. सीमा पर तैनात फौजी ही देश-प्रेम का परिचय नहीं देते। हम सभी अपने दैनिक कार्यों में किसी न किसी रूप में देश-प्रेम प्रकट करते हैं। अपने जीवन से जुड़े ऐसे और कार्यों का उल्लेख करें और उन पर अमल भी करें।

उत्तर : मैं अपने जीवन में देश-प्रेम को सर्वाधिक महत्व देता हूँ इसलिए अपने देश के नाम को ऊँचा करने के लिए मैं हर प्रकार से प्रयत्न करता हूँ जैसे न केवल पढ़ाई-लिखाई बल्कि खेलकूद में भी सक्रिय रूप से भाग लेकर अच्छा परिणाम लाकर अपना एवं देश का नाम रोशन करना चाहता हूँ। देश की एकता को बनाए रखने के लिए सांप्रदायिक भेदभाव से दूर रहता हूँ एवं सबको एक समान समझने का प्रयत्न करता हूँ।

8. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए- 6

तुम्ह तौ कालु हाँक जनु लावा।
बार-बार मोहि लागि बोलावा।।
सुनत लखन के बचन कठोरा।
परसु सुधारि धरेउ कर घोरा।।
अब जनि देइ दोसु मोहि लोगू।
कटुबादी बालकु बधजोगू।।
बाल बिलोकि बहुत मैं बाँचा।
अब येहु मरनिहार भी साँचा।।
कौसिक कहा छमिअ अपराधू।
बाल दोष गुन गुनहिं न साधु।।
खर कुठार मैं अकरून कोही।
आगे अपराधी गुरूद्रोही।।
उतर देत छोड़ौं बिनु मारे।
केवल कौसिक सील तुम्हारे।।
न त येहि काटि कुठार कठोरे।
गुरहि उरिन होतेउँ श्रम थोरे।।
गाधिसू नु कह हृदय हसि मुनिहि हरियरे सूझ।
अयमय खाँड़ न ऊखमय अजहुँ न बूझ अबूझ।।

1. यहाँ **कौसिक** किसे कहा गया है? 2

उत्तर : यहाँ कौसिक विश्वामित्र को कहा गया है।

2. विश्वामित्र ने परशुराम को **साधु** की क्या विशेषता बताई है? 2

उत्तर : विश्वामित्र ने परशुराम को साधु की यह विशेषता बताई है कि साधु लोग बालकों के गुणदोष पर ध्यान नहीं देते अर्थात् आप साधु महात्मा ठहरे और यह राजकुमार बालक है, आप इसे क्षमा करें।

3. परशुराम ने लक्ष्मण को क्षमा कर देने का क्या कारण बताया? 2

उत्तर : परशुराम ने लक्ष्मण को क्षमा करने का कारण यह बताया कि वे लक्ष्मण को केवल विश्वामित्र के अच्छे शील स्वभाव के कारण ही क्षमा कर रहे हैं। यदि विश्वामित्र उनके साथ न होते तो वे लक्ष्मण को कदापि क्षमा न करते।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए- $2 \times 4 = 8$

1. लक्ष्मण ने वीर योद्धा की क्या-क्या विशेषता बताई?

उत्तर : लक्ष्मण ने वीर योद्धाओं की विशेषता इस प्रकार बताई कि वे युद्धभूमि में अपनी वीरता का परिचय साहसपूर्वक लड़कर देते हैं। उनकी वीरता का बखान तो दूसरे लोग करते हैं। वे स्वयं कभी अपनी प्रशंसा नहीं करते। वीर धैर्यवान, क्षोभ रहित, मृदुभाषी, क्षमाशील, विनम्र, शांत, बलवान और बुद्धिमान होते हैं। वे स्वयं कभी घमण्ड नहीं करते और गीदड़ धमकी देकर वीरता का दिखावा नहीं करते।

2. मनुष्य किन कारणों से भ्रमित होकर चारों ओर भटकता है? **छाया मत छूना** कविता के आधार पर लिखिए।

उत्तर : मनुष्य जब धन, यश, वैभव और सम्मान को पाने के लिए भटकता है तो भ्रम के जाल में फँसता चला जाता है। हिरण की तरह वह मृगतृष्णा के जाल में भटककर मर जाता है और लक्ष्य प्राप्त नहीं कर पाता।

3. फागुन के आते ही वातावरण कैसा हो जाता है?

उत्तर : फागुन में बसंत ऋतु प्रकृति का शृंगार करती है। पतझड़ के बाद नए-नए हरे, लाल आभायुक्त पत्तों से डालियाँ सज जाती हैं। जगह-जगह सुवासित रंग-बिरंगे पुष्पों की शोभा देखते ही बनती है। रंग-बिरंगी तितलियों का फूलों पर मँडराना और भँवरों का गुनगुनाना जैसे वातावरण को संगीतमय बना देता है। फलों के राजा आम के पेड़ों का बौरों से लद जाना, कोयल का मीठी तान में कुहकना, खेतों में तैयार खड़ी फसल का पकने के कारण सुनहरा होना यह सब फागुन की विशेषता को बताता है।

4. माँ ने बेटी को सचेत करना क्यों जरूरी समझा?

उत्तर : हर माँ अपनी बेटी के विवाह और उसके सुखद वैवाहिक जीवन के सपने सँजोती है। वह नहीं चाहती कि उसकी बेटी के साथ कोई अनहोनी हो। साथ ही, उसकी बेटी अभी अधिक सयानी नहीं थी, इसलिए उसने उसे सचेत करना जरूरी समझा।

5. प्रीति नदी में किसने पाँव नहीं डुबोया? गोपियाँ ऐसा क्यों कहती हैं?

उत्तर : गोपियाँ श्रीकृष्ण के मित्र उद्धव से कहती हैं कि वे बड़े भाग्यशाली हैं कि उन्होंने श्रीकृष्ण के प्रेम रूपी नदी में कभी अपने पैर नहीं रखे। आप कृष्ण के रूप पर मुग्ध नहीं हुए अर्थात् कृष्ण के प्रेम से प्रभावित नहीं हुए। अतः उद्धव हम गोपियों की दशा कैसे समझ पाएँगे। हम गोपियाँ कृष्ण के प्रेम में निमग्न हैं। हमें योग की बातें कैसे समझ में आएँगी। यदि उनके साथ भी ऐसा कुछ हुआ होता तो वे हमें ऐसा ज्ञान उपदेश न देते। वे भी श्रीकृष्ण के मोह से अछूते न रहते।

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए- $3 \times 2 = 6$

1. जितेन नार्गे ने लेखिका को सिक्किम की प्रकृति, वहाँ की भौगोलिक स्थिति एवं जनजीवन के बारे में क्या महत्वपूर्ण जानकारियाँ दीं, लिखिए।

उत्तर : जितेन नार्गे ने लेखिका को बताया कि सिक्किम के लोग बौद्ध धर्म को मानते हैं। वे शांति और अहिंसा के समर्थक हैं। प्रकृति के प्रति पूज्य भाव रखते हैं। लोग खेदुम नामक एक किलोमीटर के क्षेत्र में देवी-देवताओं का निवास मानते हैं। अपनी आस्थाओं, विश्वासों, अंधविश्वासों, कल्पनाओं अथवा पाप-पुण्य की अवधारणाओं में वे भारत के किसी भी क्षेत्र से समानता रखते हैं। आलू और धान की खेती के साथ दारू का व्यापार उनकी आजीविका का साधन हैं। गैंगटॉक के पर्यटन केन्द्र बनने से भी आजीविका के लिए नए रास्ते खुलते जा रहे हैं। लोंग स्टॉक में स्थानीय जातियाँ, लेपचा और भूटिया के बीच हुई शांति वार्ता का स्मारक स्थल है।

2. जॉर्ज पंचम की लाट पर किसी भी भारतीय नेता, यहाँ तक कि भारतीय बच्चे की नाक फिट न होने की बात से लेखक किस ओर संकेत करना चाहता है?

उत्तर : जॉर्ज पंचम की लाट पर किसी भी भारतीय नेता, यहाँ तक कि भारतीय बच्चे की नाक फिट न होने की बात से लेखक यह संकेत करना चाहता है कि पहले भारतीय लोग अपने जीवन मूल्यों को स्वयं निश्चित करते थे। वे अपने अनुभवों को ही अपना गुरू बनाते थे। वे किसी का अनुकरण नहीं करते थे। बड़े हों या छोटे, भारतीय सबसे अलग थे। उनकी अपनी पहचान हुआ करती थी जिसे वे कभी नहीं खोते थे। प्राणों को न्योछावर करके भी वे अपनी गरिमा को बनाए रखते थे।

3. मीडिया द्वारा रानी एलिजाबेथ और प्रिंस फिलिप के जीवन से जुड़ी प्रत्येक घटनाओं का विश्लेषण कहाँ तक उचित है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : अखबारों में रानी एलिजाबेथ, प्रिंस फिलिप, इनके नौकर-चाकरों, बावरचियों, अंगरक्षकों, कुत्तों आदि का वर्णन छपा था। रानी कौनसा सूट पहनकर हवाई अड्डे पर उतरेंगी, उसके बारे में खबरें पूरे रोचक अंदाज में छापी गई थीं। इंग्लैण्ड के अखबारों के साथ-साथ भारतीय अखबारों में भी ये सब खबरें थीं। इस प्रकार मीडिया दायित्वहीन होकर चापलूसी पर उतर आया था। शाही शानो-शौकत को प्रदर्शित करती ये खबरें देश की निर्धन जनता की आकांक्षाओं को कुचलने वाली थीं। अतः मीडिया द्वारा इस प्रकार के विश्लेषण को उचित नहीं ठहराया जा सकता।

खण्ड-घ (लेखन) 20

11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 200 से 250 शब्दों में निबंध लिखिए- 10

(1) इंटरनेट

संकेत बिंदु : भूमिका ✲ इंटरनेट क्या है ✲ इसका इतिहास और विकास ✲ इसकी उपयोगिता एवं कार्य क्षेत्र ✲ उपसंहार।

(2) वर्षा जल संचयन

संकेत : भूमिका ✲ जलचक्र क्या है ✲ जल समस्या के समाधान के लिए उपाय ✲ उपसंहार

(3) विज्ञापनों का महत्व

संकेत : प्रस्तावना ✲ विज्ञापन का अर्थ ✲ सकारात्मक एवं नकारात्मक पक्ष ✲ उपसंहार

उत्तर :

(1) इंटरनेट

संकेत बिंदु : भूमिका ✲ इंटरनेट क्या है ✲ इसका इतिहास और विकास ✲ इसकी उपयोगिता एवं कार्य क्षेत्र ✲ उपसंहार।

भूमिका- इंटरनेट ने विश्व में जैसा परिवर्तन किया, वैसा किसी भी दूसरी टैक्नोलॉजी ने नही किया। नेट के नाम से लोकप्रिय इंटरनेट अपने उपभोक्ताओं के लिए बहुआयामी साधन प्रणाली है। यह दूर बैठे उपभोक्ताओं के मध्य अंतर संवाद का माध्यम हैं; सूचना या जानकारी में हिस्सेदारी और सामूहिक रूप से काम करने का तरीका है; सूचना को विश्व स्तर पर प्रसारित करने का जरिया है और सूचना का अपार सागर है। भारत में इंटरनेट इस्तेमाल करने वालों की संख्या 2018 के जुलाई महीने तक 20 करोड़ पहुँच गई है।

इंटरनेट क्या है- इंटरनेट का इतिहास पेचीदा है और उसके कई पहलू तकनीकी, संगठनात्मक और सामाजिक संपर्क स्थापित करने की प्रक्रिया आदि बहुत जटिल हैं। 1961 में विश्वव्यापी अंतर्संबंध की जिस कल्पना का जन्म हुआ था, 1983 में स्वतंत्र नेटवर्क की स्थापना के द्वारा इंटरनेट के

रूप में वह साकार हुई और इसी वर्ष इंटरनेट एक्टीविटीज बोर्ड की स्थापना भी की गई। इसी वर्ष नवम्बर महीने में पोल मोके पैट्रिक्स द्वारा डॉक्यूमेन नेमिंग सर्विस (डी.एन.एस.) का पहला ब्यौरा जारी किया गया। इस प्रकार प्रचलित इंटरनेट का जन्म हुआ।

इसका इतिहास और विकास– इंटरनेट का बाद का इतिहास मुख्यतः बहुविध उपयोग का है जो नेटवर्क की आधारभूत संरचना से ही संभव हो सका है। बहुविध उपयोग की दिशा में पहला कदम फाइल ट्रांसफर प्रणाली का विकास था। इससे दूरदराज के कम्प्यूटरों के बीच फाइलों का आदान प्रदान संभव हो सका। 90 के दशक के आरंभ में इंटरनेट पर सूचना प्रस्तुति के नए तरीके सामने आए। 1991 में मेनेसोआ विश्वविद्यालय द्वारा तैयार गोफर नामक सरलता से पहुँचने योग्य डॉक्यूमेंट प्रस्तुति प्रणाली अस्तित्व में आई।

इसकी उपयोगिता एवं कार्यक्षेत्र– वर्ल्ड वाइड वेब (डब्ल्यू डब्ल्यू डब्ल्यू) सूचना प्रस्तुति का सरलता से इस्तेमाल करने का योग्य तरीका सिद्ध हुआ। 1993 तक की आरंम्भिक अवधि में वेब की ओर ज्यादा लोगों का ध्यान नहीं गया था किन्तु 1993 में ग्रैफिकल वेब ब्राउजर का आविष्कार इंटरनेट के क्षेत्र में एक बड़ी घटना थी।

अब दुनिया के किसी भी हिस्से से आप इंटरनेट के जरिये जुड़ सकते हैं। ई–मेल, ई–कॉमर्स, ई–मनोरंजन, इंटरनेट चर्चा, टेलनेट, इंट्रानेट आदि इसकी अनेक सेवाएँ आज सर्वत्र उपलब्ध हैं।

उपसंहार– यद्यपि भारत में इंटरनेट का आरंभ अस्सी के अंतिम वर्षों में हुआ था, किन्तु आज यह जीवन के हर क्षेत्र में परम आवश्यक हो गया है। अब वह दिन दूर नहीं जब लैपटॉप के स्थान पर पाम टॉप हर व्यक्ति की मुठ्ठी में होगा।

(2) वर्षा जल संचयन

संकेत : भूमिका ✲ जलचक्र क्या है ✲ जल समस्या के समाधान के लिए उपाय ✲ उपसंहार

भूमिका– आज विश्व में जल संकट एक विकट समस्या है। पूरे विश्व में सौ करोड़ से भी ज्यादा लोगों को पीने के लिए स्वच्छ पानी उपलब्ध नहीं है। चाहे कृषि क्षेत्र हो या औद्योगिक क्षेत्र, घरेलू उपयोग के लिए हो या अन्य किसी काम के लिए, प्रत्येक देश के सर्वांगीण विकास के लिए जल अत्यंत महत्वपूर्ण है। जनसंख्या वृद्धि के साथ मांग बढ़ने से जल संकट का पूरा असर हमारे देश में दिखाई देने लगा है।

जलचक्र क्या है– जल का एक चक्र है– वर्षा के रूप में बरसना और भाप बनकर उड़ जाना, बादल बनना और फिर बरस पड़ना। यही जल चक्र समस्त जीवन की क्रियाओं का आधार है। जल के बिना जीवन संभव नहीं। समस्त प्राणियों को तथा समस्त वनस्पति जगत को जल चाहिए। इसलिए जल को जीवन कहा गया है।

जल समस्या के समाधान के लिए उपाय– वर्षा के अनियमित होने और मौसम के मनमौजी होने का प्रभाव केवल कृषि पर ही नहीं, अपितु ऊर्जा संसाधनों और पेयजल योजनाओं पर भी पड़ता है। सन् 1986 में भारत सरकार ने पेयजल की आपूर्ति के लिए राजीव गांधी राष्ट्रीय पेयजल मिशन बनाया था। सन् 1991 में इस तकनीकी मिशन का नाम बदलकर राष्ट्रीय पेयजल मिशन कर दिया गया है। अब विशेषज्ञों ने वर्षा जल के उचित उपयोग और संचयन पर बल दिया। इसीलिए रेन वाटर हार्वेस्टिंग नाम से वर्षा जल संचयन योजना पर जोर दिया जा रहा है। इसी सिलसिले में 22 मई, 2000 को नई दिल्ली में एक राष्ट्रव्यापी सेमिनार आयोजित किया गया। सरकारी प्रवक्ताओं के अनुसार जल संसाधन मंत्रालय ने सभी बड़े भवनों एवं सभी विद्यालयों में तथा अन्यत्र वर्षा के जल को उपयुक्त तरीके से एकत्र किये जाने के लिए आग्रह किया है।

उपसंहार– वर्षा जल संचयन एक साधारण व किफायती तरीका है, जिसमें छत एवं आँगन में गिरने वाले बरसाती पानी को पाइपों के माध्यम से दिशा देकर जमीन के नीचे अथवा टंकियों में जमा किया जाता है। यह संग्रहित पानी लम्बे समय तक सतह के नीचे पानी के भंडार को बढ़ाकर पानी की समस्या का समाधान करता है।

विद्यालयों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग जैसे कार्यक्रमों द्वारा बच्चों में जल के उचित उपयोग करने के विषय में पर्याप्त जागरूकता उत्पन्न की जा सकती है।

(3) विज्ञापनों का महत्व

संकेत : प्रस्तावना ✲ विज्ञापन का अर्थ ✲ सकारात्मक एवं नकारात्मक पक्ष ✲ उपसंहार

प्रस्तावना– आज के युग को यदि विज्ञापन युग कहा जाए तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। जिधर भी देखिए उधर ही विज्ञापनों का जाल फैला हुआ है। अखबारों में, पत्रिकाओं में, रेडियो पर, टेलीविजन पर, फिल्मों में और यहाँ तक कि सार्वजनिक स्थलों से लेकर घरों की दीवारों पर, सड़कों के किनारे, मोड़ों और तिराहों–चौराहों पर लगे होर्डिंग आदि को देखकर लगता है कि हम हरदम विज्ञापनों की चीख–पुकार के बीच दौड़ रहे हैं।

विज्ञापन का अर्थ– विज्ञापन उत्पादों की बिक्री का अत्यंत महत्वपूर्ण माध्यम है। हर उत्पादक चाहता है कि उसके उत्पाद की विशेषताओं की जानकारी जनता तक पहुँचे जिससे अधिक से अधिक लोग उसके ग्राहक बन सकें और वह अधिक से अधिक धन कमा सके। विज्ञान के नित नए आविष्कारों ने विज्ञापन की दुनिया में भी बड़ा परिवर्तन ला दिया है। बड़ी–बड़ी कम्पनियाँ इस बात पर लाखों–करोड़ों रूपये खर्च कर रही हैं कि कैसे अपने उत्पाद को जनता के दिमाग में बसाया जा सके। टेलीविजन पर कोई भी कार्यक्रम आ रहा हो, एक ही विज्ञापन की इतनी बार आवृत्ति की जाएगी कि दर्शक उससे अछूता न रह सके। मनोविज्ञान के जानकार मानते हैं कि बार–बार किसी

चीज को दिखाने से उसकी याद बनी रहती है और जब याद बनी रहेगी तो कभी न कभी उसे खरीदने के लिए भी दिमाग जोर डालेगा।

सकारात्मक एवं नकारात्मक पक्ष– यदि हम हर तरह के विज्ञापनों की बात करें तो इनके कुछ सकारात्मक पक्ष भी हैं। रोजगार और प्रशिक्षण नामांकन आदि से संबंधित विज्ञापन युवाओं और विद्यार्थियों के लिए बहुत लाभदायक होते हैं। वर्गीकृत विज्ञापनों से आम जनता को लाभ होता है क्योंकि इनसे उन्हें रोजगार, विवाह, खरीद बिक्री, किराए पर मकान आदि की जानकारी मिलती है। यह विज्ञापनों का ही प्रभाव है कि आम लोग अपनी जरूरत की प्रत्येक वस्तु के गुण दोष से परिचित होते हैं और एक ही तरह की अनेक वस्तुओं में से अपनी पसंद की वस्तु का चयन करने में सक्षम होते हैं। विज्ञापनों का नकारात्मक पहलू यह है कि जितनी तारीफों के पुल बाँधे जाते हैं वह वस्तु उतनी उपयोगी होती नहीं है और इस आधार पर कई बार घटिया चीजें भी खूब बिकती हैं। कई प्रकार के सौंदर्य प्रसाधन, तेल, साबुन, शैंपू, क्रीम, मसाले और दैनिक उपभोग की वस्तुएँ चमकते विज्ञापनों के आधार पर ही बिक जाती हैं। विज्ञापनों की इसी उपयोगिता को देखकर कुछ लोगों ने इसे ठगी का आधार भी बना लिया है।

उपसंहार– वस्तुतः आज के युग मे विज्ञापन जनता और उत्पाद को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण आधार है किन्तु समाज हित के लिए इसके लिए कुछ कड़े कानून होने चाहिए जिससे जनता को कष्ट न हो।

12. दिल्ली में सीलिंग के कारण पिता जी का कारोबार ठप्प हो गया है। मित्र को एक पत्र लगभग 80–100 शब्दों में लिखकर परिवार की परेशानियों का वर्णन कीजिए और सहायता का अनुरोध कीजिए। 5

उत्तर :

रामगंज मार्ग
दिल्ली।
दिनांक : 26 अप्रैल, 2018
प्रिय मित्र अखिलेश,
सप्रेम नमस्कार।

मैं यहाँ सकुशल हूँ और भगवान से सदा तुम्हारी कुशलता चाहता हूँ। जैसा कि तुम्हें पता है कि दिल्ली में सीलिंग के कारण मेरे पिता जी की दुकान सील हो गई थी। अभी तक वे कोई दूसरा कारोबार शुरू नहीं कर पाए हैं। कारोबार ठप्प हो जाने से हम सभी को आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा है। माँ की दवाइयाँ भी नहीं आ पा रही हैं। हम स्कूल की फीस भी पिछले दो महीने से नहीं दे पाए हैं। इस समय हम लोग बहुत परेशान हैं। मित्र, अगर ऐसे समय में तुम मेरी कुछ आर्थिक मदद कर देते तो बहुत अच्छा होता या फिर मुझे कोई काम दिलाने मे मेरी सहायता कर दो। तुम्हारा यह उपकार मैं जिंदगी भर नहीं भूलूँगा। परेशानी में मित्र ही मित्र की सहायता करता है।

पूज्य चाचा जी और चाची जी को मेरा चरण स्पर्श और बहन अनुपमा को स्नेह। शेष मिलने पर।

तुम्हारा मित्र।
गौरव

अथवा

यात्रा करते हुए बस में आपका कुछ आवश्यक सामान छूट गया है। नगर बस सेवा विभाग के खोया पाया संभाग को अपने सामान का विवरण देते हुए शीघ्र सूचना देने के लिए एक पत्र लगभग 80–100 शब्दों में लिखिए।

उत्तर :

सेवा में,
मुख्य प्रबंधक,
दिल्ली परिवहन निगम,
सिंधिया हाउस,
नई दिल्ली–110001

विषय– बस में छूटे आवश्यक सामान के विषय में सूचना।

महोदय,

मैं कल प्रातः आठ बजे नंदनगरी से आनंद पर्वत जाने वली रूट नंबर 212 की बस में यात्रा कर रहा था। मैं बहुत जल्दी में था और बस में भी काफी भीड़ भाड़ थी। व्यस्तता के कारण मेरा चमड़े का बैग बस में ही रह गया और मैं अपने निश्चित स्टॉप पर उतर गया।

कार्यालय पहुँचने से पूर्व जब मुझे अपने बैग का ध्यान आया तो मैं तुरंत दिल्ली परिवहन निगम आनंदपर्वत टर्मिनल गया और अपने बैग की पूछताछ की, लेकिन सफलता नहीं मिली।

मेरे बैग का रंग गाढ़ा भूरा है, उसमें कार्यालय के जरूरी कागजात और फाइलें हैं। साथ ही मेरे निजी कागजात और क्रेडिट कार्ड भी हैं।

आपसे अनुरोध है कि बस के संवाहक ने यदि चमड़े का कोई बैग जमा करवाया है तो मुझे शीघ्र सूचना देने की कृपा करें। मैं आपका आभार मानूँगा।

भवदीय
जितेन्द्र शर्मा
1543–सी, तिमारपुर,
नई दिल्ली।
दिनांक 04.02.2018

13. वोल्वो ट्रैवल्स को दो मैनेजर की आवश्यकता है जिन्हें 5 वर्ष का अनुभव हो। 25–50 शब्दो में एक विज्ञापन तैयार कीजिए। 5

उत्तर :

आवश्यकता है

मैनेज़र-दो पद

किसी ट्रेवल एजेंसी में 5 वर्ष या अधिक का अनुभव कंप्यूटर का ज्ञान आवश्यक।

वेतन योग्यतानुसार

संपर्क करें:

निदेशक, वॉल्वो ट्रैवल्स

20/05, सैक्टर-2, नॉएडा (उ.प्र.)

अथवा

बालों में लगाने के लिए किसी कंपनी ने एक आयुर्वेदिक तेल का उत्पादन किया है। इसके लिए 25–50 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए।

उत्तर :

स्वस्थ, लंबे व घने हुए हमारे बाल

अब बारी आपकी .....

यदि आप जानना चाहते हैं कि इनके बाल किस तरह घने, लंबे, मज़बूत व रूसी रहित हुए तो अपनाइए-

असली आयुर्वेदिक

केश किंग

तेल, कैप्सूल एवं हेयर वॉश

असर पहले दिन से शुरू, कम्पलीट कोर्स तीन माह

(महिलाओं, पुरूषों एवं बच्चों के लिए समान रूप से उपयोगी)

मिलते-जुलते नामों से सावधान रहें

हैल्पलाइन : 01820030011, 01820030012

Download unsolved Version of this solved paper from www.cbse.online

This sample paper has been released by website www.cbse.online for the benefits of the students. This paper has been prepared by subject expert with the consultation of many other expert and paper is fully based on the exam pattern for 2019-2020. Please note that website www.cbse.online is not affiliated to Central board of Secondary Education, Delhi in any manner. The aim of website is to provide free study material to the students.